पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राजभवन में शहीद दिवस पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी
श्रद्धांजलि अर्पित करने जी0पी0ओ0 भी गये राज्यपाल

लखनऊः 30 जनवरी, 2017

राजभवन में शहीद दिवस के अवसर पर भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय, लखनऊ के कलाकारों द्वारा बापू के प्रिय भजन व रामधुन प्रस्तुत किये गये। राज्यपाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा व चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके सम्मान में दो मिनट का मौन धारण किया गया। श्रद्धांजलि सभा में राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुश्री जूथिका पाटणकर व राजभवन के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। इससे पूर्व राज्यपाल श्री राम नाईक ने जी0पी0ओ0 पार्क जाकर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा गांधी स्मारक निधि द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा में प्रतिभाग किया।

राज्यपाल ने श्रद्धांजलि सभा में देश की रक्षा करने वाले सभी ज्ञात एवं अज्ञात शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि महात्मा गांधी का परिनिर्वाण दिवस पूरे देश में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज के दिन का एक और महत्व है कि 30 जनवरी को ही विश्व कुष्ठ निवारण दिवस भी मनाया जाता है। महात्मा गांधी ने अपने जीवन में स्वदेशी, खादी, नमक के विरोध में सत्याग्रह किया तथा देश को आजाद कराने के लिये अनेक प्रकार के आंदोलन चलाये। कुष्ठ पीड़ितों की सहायता करना महात्मा गांधी को बहुत प्रिय था और वे कुष्ठ पीड़ितों के बारे में चिंता करते थे। आज का दिवस हमें गरीब से गरीब की सहायता करने के लिये प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आज के दिन हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम ऐसे भारत का निर्माण करें जिसकी कल्पना महात्मा गांधी ने की थी।

श्री नाईक ने कहा कि महात्मा गांधी ने ऐसे रामराज की कल्पना की थी जिसमें हर व्यक्ति की सुख-समृद्धि हो तथा कहीं भी भ्रष्टाचार न हो। यह विचार करने की जरूरत है कि महात्मा गांधी के प्रिय प्रार्थनाओं से हमने कितना सीखा और आत्मसात किया है। जो बातें उनके प्रिय भजन में बतायी गयी हैं हमने उनको अपने जीवन में कितना उतारा है। महात्मा गांधी के परिनिर्वाण दिवस पर देश की रक्षा में शहीद होने वाले सभी बलिदानियों और सैनिकों को याद रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के दिखाये रास्ते पर चलकर हम अपने देश को उत्तम देश बनाने में सहयोग करें।

अंजुम/ललित/राजभवन (40/40)